जनवरी 28 - लाला लाजपत राय का 151 वां जन्म वर्षगांठ मनाया गया

राष्ट्रीय खबर

महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय, जिन्हें पंजाब केसरी के रूप में जाना जाता है की 150 वीं जयंती 28 जनवरी 2016 को मनाया गया।

- राय, पंजाब केसरी के रूप में जाने जाते थे। वो 'लाल बाल पाल' तिकड़ी का हिस्सा था।
- वह मुखर राष्ट्रवादि थे । 1905 से 1918 तक लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, और बिपिन चंद्र पाल शामिल की लाल बाल पाल तिकड़ी का हिस्सा थे।
- लाल बाल पाल तिकड़ी ने आयातित वस्तुओं का बहिष्कार किया और स्वदेशी के इस्तेमाल पर जोर दिया और बंगाल में 1905 में शुरू हुए आंदोलन में हिस्सा लिया था इसके अलावा 1907 में भारतीय निर्मित माल के उपयोग से जुड़े आंदोलन की वकालत की थी।

राय 28 जनवरी 1865 को पैदा हुए और उनका नवंबर 17, 1928 को निधन हो गया था।

डॉ विजय भटकर नालंदा विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति बने

नियुक्ति

भारत में सुपर कंप्यूटर के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले कंप्यूटर वैज्ञानिक डॉ विजय भटकर को नालंदा विश्वविद्यालय का नया कुलपति बनाया गया है. वे इस विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति होंगे. खबरों के मुताबिक शुक्रवार को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने डॉ भटकर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी. उनका कार्यकाल तीन साल का होगा. नालंदा विश्वविद्यालय के गवर्निंग बोर्ड ने राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से डॉ भटकर के नाम की सिफारिश की थी. कुछ खबरों में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति मुखर्जी के पास केवल डॉ भटकर का ही नाम भेजा गया था.

- डॉ विजय भटकर दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष हैं. इसके अलावा वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संगठन विज्ञान भारती के प्रमुख भी हैं जो स्वदेशी विज्ञान को बढ़ावा देने से जुड़ा है. डॉ भटकर की निजी वेबसाइट के मुताबिक वे 1987 में पुणे स्थित सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) में सुपर-कंप्यूटर बनाने की परियोजना का नेतृत्व कर चुके हैं. इसके तहत देश के

पहले सुपर कंप्यूटर परम 8000 और परम 10000 बनाए गए थे. उन्हें 2000 में पद्मश्री और 2015 में पद्मभूषण मिल चुका है.

- नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति का पद पिछले दो महीने से खाली पड़ा था. पिछले साल 25 नवंबर को सिंगापुर के पूर्व विदेश मंत्री जॉर्ज यो ने इस शिकायत के साथ कुलपति पद से इस्तीफा दे दिया था कि सरकार विश्वविद्यालय की स्वायत्ता को प्रभावित कर रही है. उन्होंने यह भी कहा था कि सरकार ने विश्वविद्यालय के गवर्निंग बोर्ड को भंग करने और नया बोर्ड बनाने के बारे में उनकी राय नहीं ली है. जॉर्ज यो ने तीन साल के वित्तीय योगदान के आधार पर पूर्वी एशियाई देशों को गवर्निंग बोर्ड का सदस्य बनाने वाले प्रावधान को हटाने पर भी नाराजगी जताई थी.
- इससे पहले 2015 में चर्चित अर्थशास्त्री और नालंदा विश्वविद्यालय के पहले कुलपति अमर्त्य सेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की खुली आलोचना करते हुए यह पद छोड़ दिया था. हालांकि, विश्वविद्यालय के मेंटोर ग्रुप का सदस्य होने के नाते वे पिछले साल तक गवर्निंग बोर्ड में शामिल थे. लेकिन, पिछले साल 21 नवंबर को गठित नए गवर्निंग बोर्ड में केंद्र सरकार ने उन्हें जगह नहीं दी थी.

33 साल बाद अफ्रीकी संघ में शामिल होगा मोरक्को

3 दशक पहले अफ्रीकी देशों के संगठन को छोड़ने के बाद मोरक्को ने अदिस अबाबा में 30-31 जनवरी को होने वाले 28वें अफ्रीकी शिखर सम्मेलन के दौरान अफ्रीकी संघ में फिर से शामिल होने का निर्णय लिया है। मोरक्को ने 1984 में अफ्रीकी एकता संगठन से हटने का फैसला लिया था, जो बाद में अफ्रीकी संघ (एयू) बना।

अंतर्राष्ट्रीय खबर

- मोरक्को ने यह फैसला पश्चिमी सहारा को संगठन में दाखिल किए जाने के विरोध में लिया था। पश्चिम सहारा ने कुछ ऐसे क्षेत्रों पर दावा जताया था जिन्हें मोरक्को अपना कहता है।
- मोरक्को ने तब इस संगठन का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया, लेकिन हाल में इसने अपनी नीति में बदलाव किया है। इसने अपने एजेंडे में एयू में फिर से शामिल होने को शीर्ष पर रखा।
- मोरक्को के राजा मोहम्मद (षष्ठम) ने बीते साल जुलाई में किगाली में 27वें एयू शिखर सम्मेलन में एक संदेश भेजा। इसमें उन्होंने कहा था कि उनके देश को अपने अफ्रीकी परिवार के बाहर नहीं रहना चाहिए और इसे एयू के भीतर अपनी स्वाभाविक एवं सही जगह हासिल करनी चाहिए।
- अफ्रीकी नेताओं को भेजे गए संदेश के दो महीने बाद, उत्तरी अफ्रीकी राज्य ने सितंबर में औपचारिक रूप से महाद्वीपीय संस्था में शामिल होने का औपचारिक रूप से शामिल होने

का अनुरोध प्रस्तुत किया। यह आवेदन 28 एयू सदस्यों के समर्थन हासिल करने के बाद प्रस्तुत किया गया।

ब्रिटिश अभिनेता जॉन हर्ट का निधन

'द एलिफेंट मैन और 'मिडनाइट एक्सप्रेस जैसी फिल्मों से अपने अभिनय का लाेहा मनवाने वाले ब्रिटेन के दिग्गज अभिनेता सर जाॅन हर्ट का निधन हो गया है।

- वह 77 वर्ष के थे।
- जॉन हर्ट लंबे समय से अग्न्याशय कैंसर से पीड़ित थे। अपने छह दशक से भी लंबे अभिनय कैरियर में जॉन ने 200 से अधिक फिल्मों और टेलीविजन सीरीज में काम किया।

- दिग्गज ब्रिटिश कलाकार को 'द एेलिफेंट मैन और 'मिडनाइट एक्सप्रेस में सहयोगी कलाकार की भूमिका निभाने के लिए ऑस्कर पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया था।
- जॉन ने 2015 में खुलासा किया था कि वह अग्न्याशय कैंसर से पीड़ित हैं।

निधन-सुचना

भारत की इंटर-सर्विस सैन्य अभ्यास ट्रोपेक्स 17 प्रारंभ हुई

- विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य के अलावा परमाणु पनडुब्बी आईएनएस चक्र पश्चिमी तट पर स्थित 'ट्रॉपेक्स' अभ्यास में एक साथ आ गए हैं। नौसेना के वार्षिक उत्सव की तैयारी के रूप में ट्रॉपेक्स 24 जनवरी को शुरू हुआ।
- एक महीने तक तक चलने वाला ये एक्सरसाइज में पश्चिमी और पूर्वी नौसेना कमानों के विमान और जहाज होंगे, भारतीय वायु सेना, भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल भी इसका हिस्सा होंगे।

- एक्सरसाइज के पिछले संस्करण का जनवरी 2015 में आयोजित किया गया था।
- कई सालों में बड़े पैमाने जटिलता में वृद्धि हुई है और आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस चक्र, लैंडिंग प्लेटफार्म डॉक (एलपीडी) जलाशवा, हाल ही में कमीशन विध्वंसक आईएनएस, पी -8 सहित प्रमुख सतह लड़ाकों और भारतीय नौसेना के हवाई साधन, लंबी दूरी के समुद्री टोही और पनडुब्बी रोधी युद्ध विमान एसयू -30 एमकेआई, जगुआर, अवाक्स, भारतीय वायु सेना का आईएल -78 विमान उड़ान के दौरान ईंधन डलवाने और भारतीय सेना के पैदल सेना की इकाइयों के साथ संचालन किया जाएगा।
- ट्रॉपेक्स -17 मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य की पृष्ठभूमि में विशेष महत्व रखता है।

राष्ट्रीय खबर

एसएमई : समिति ने राष्ट्रीय एमएसएमई नीति पर रिपोर्ट सौंपी

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों :एमएसएमई: के लिये व्यापक नीति तैयार करने के लिये गठित समिति ने आज अपनी रिपोर्ट दे दी।

- पूर्व मंत्रिमंडल सचिव डा. प्रभात कुमार की एक सदस्यीय समिति ने राष्ट्रीय एमएसएमई नीति को लेकर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय एमएसएमई मंत्री कलराज मिश्र को यहां सौंपी। देश में अबतक एमएसएमई के लिए कोई नीति नहीं है।
- मंत्री ने रिपोर्ट सौंपने से पहले देश के विभिन्न भागों में संबंधित पक्षों के साथ बैठक के संदर्भ में किये गये प्रयासों को लेकर कुमार की सराहना की।
- उन्होंने कहा कि इस पर आगे कार्यवाही से पहले मंत्रालय इसकी समीक्षा करेगा।
- एमएसएमई मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई भाषा से कहा,हम विभिन्न पक्षों के सुझाव लेने के लिये मसौदा नीति सार्वजनिक करेंगे।
- उसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

राष्ट्रीय खबर

देश के 91 प्रमुख जलाशयों का जलस्तर घटकर 51 प्रतिशत हुआ

देश के 91 प्रमुख जलाशयों में 80.597 अरब घन मीटर :बीसीएम: जल का संग्रहण आंका गया जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 51 प्रतिशत है।

- जल संसाधन एवं नदी विकास मंत्रालय ने 25 जनवरी 2017 को समाप्त सप्ताह के आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी है । यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के कुल संग्रहण का 127 प्रतिशत तथा पिछले दस वर्षो के औसत जल संग्रहण का 100 प्रतिशत है।
- इन 91 जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता 157.799 बीसीएम है, जो समग्र रूप से देश की अनुमानित कुल जल संग्रहण क्षमता 253.388 बीसीएम का लगभग 62 प्रतिशत है। इन 91 जलाशयों में से 37 जलाशय ऐसे हैं जो 60 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता के साथ पनबिजली संबंधी लाभ देते हैं।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में जिन राज्यों में जल संग्रहण बेहतर है उनमें पंजाब, राजस्थान, झाारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना एवं कर्नाटक शामिल हैं। इसी अवधि के लिए पिछले साल की तुलना में कम भंडारण होने वाले राज्य में हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं।

राष्ट्रीय खबर

सूचना एवं प्रसारण सचिव ने फिल्म कंडीशन एसेस्मेंट प्रोजेक्ट आरंभ किया

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव श्री अजय मित्तल ने कहा है कि "सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय देश की फिल्मी एवं गैर फिल्मी धरोहर की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और वैश्विक मानकों के अनुरूप भावी पीढ़ी के लिए फिल्मों एवं गैर फिल्मी सामग्रियों के परिरक्षण के लिए सभी संभव कदम उठा रहा है।" वह आज यहाँ पुणे में फिल्म कंडीशन एसेस्मेंट के लॉन्च के अवसर पर बोल रहे थे जो राष्ट्रीय फिल्म धरोहर मिशन, एनएफएचएम के कार्यान्वयन का पहला चरण है।

- इसे और अधिक स्पष्ट करते हुए श्री मित्तल ने कहा "यह दुनिया में अपनी तरह की पहली परियोजना है जिसमें सरकार फिल्म संरक्षण के पहलू की दिशा में भारी धनराशि खर्च कर रही है जिससे कि समृद्ध फिल्मी धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए उपलब्ध कराए जा सके।
- एनएफएआई में लगभग 1,32,000 फिल्मों के रीलों की स्थिति का आकलन किया जाएगा और इन रीलों के जीवन को विस्तारित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रथम चरण के दौरान, प्रत्येक फिल्म की रील को ट्रैक किया जाएगा और आरएफआईडी टैगिंग के द्वारा उनकी निगरानी की जाएगी"
- इस अवसर पर श्री मित्तल ने गैर फिल्मी सामग्री के डिजिटाइजेशन की एनएफएआई की पहल की भी शुरूआत की। सचिव महोदय ने कहा "सरकार की डिजिटल इंडिया पहल की दिशा में यह एक कदम है जिसमें देश की गैर-फिल्मी धरोहर को डिजिटाइज किया जाएगा, उनका पुनः स्थापन किया जाएगा तथा व्यापक स्तर पर उसे लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा।
- "एनएफएआई बड़ी संख्या में पोस्टरों, तस्वीरों, गीत पुस्तिकाओं, इश्तेहारों, प्रेस क्लिपिंग, स्लाइड ट्रांसपेरेंसी, ग्लास निगेटिव्स आदि जैसी फिल्म सहायक सामग्रियों का परिरक्षक रहा है जिन्हें इस प्रक्रिया के दौरान डिजिटाइज किया जाएगा तथा उनका पुनः स्थापन किया जाएगा।

आज के दिन

फ़ारसी में अर्थ है “पवित्र देश” |

28 जनुअरी 1933 के दिन एक पाकिस्तान आन्दोलन कार्यकर्ता चौधरी रहमत अली ने अपनी पम्फलेट “नाउ ओर नेवर” में पाकिस्तान नाम का उपयोग किया था | उन्होंने इसे एक परिवर्णी शब्द के रूप में उपयोग किया था, जिसमे ब्रिटिश राज के अधीन में रहनेवाले पाँच राज्यों का नाम है – पंजाब, अफ्घानिया, कश्मीर, सिंध और बलूचिस्तान | पाकिस्तान का उर्दू और